कोयतुरो की बुलंद आवाज़

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES www.koyturtimes.com

सुविचार -
कोई भी महान व्यक्ति अवसरों की कमी के बारे में शिकायत नहीं करता.
- राल्फ वाल्डो एमर्सन

मंगलवार 14 जनवरी 2025 | RNI: UDYAM-CG-11-0005844 | मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण से मिलती है सफलता

प्यार और विश्वास के आगे हार गई नक्सल हिंसा: जहां कभी बन्दूकें गूंजती थी, अब वहां गूंज रही शहनाई

रायपुर: छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल के घने जंगलों में माओवादी हिंसा की जगह अब प्रेम और विश्वास की नई इबारत लिखी जा रही है। माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्य धारा से जुड़ने वाले महेश-हेमला और मड़कम-रव्वा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के समक्ष परिणय सूत्र में आबद्ध होकर वैवाहिक जीवन की नई शुरूआत की है। मुख्यमंत्री ने परिणय सूत्र में आबद्ध दोनों नवदम्पत्तियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। यह कहानी सुकमा जिले की बदलती तस्वीर है, जहां कभी बन्दूकें गूंजती थी, अब वहां शहनाईयां गूंज रही है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 13 जनवरी को 206 करोड़ रूपए से अधिक विकास कार्यों की सौगात देने के लिए सुकमा के मिनी स्टेडियम में पहुंचे थे। लगभग सात माह पहले नक्सल हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करने वाले मौसम महेश और हेमला, मड़कम पाण्डु और रव्वा भीमे ने जिला प्रशासन सुकमा से आग्रह किया था कि वह मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में परिणय सूत्र में आबद्ध होकर नये जीवन की शुरूआत करना चाहते हैं। जिला प्रशासन ने उन चारों को भरोसा दिलाया था कि मुख्यमंत्री श्री साय का जब भी सुकमा में आगमन होगा, उस दिन मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत उनका विवाह विधिविधान से सम्पन्न कराया जाएगा। आज 13 जनवरी को मुख्यमंत्री के सुकमा प्रवास के दौरान वहां के मिनी स्टेडियम में इन चारों आत्मसमर्पितों का विधि-विधान से विवाह मुख्यमंत्री श्री साय की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ, जिसके साक्षी वहां मौजूद हजारों-हजार लोग बने। सभी ने नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। ज्ञात रहे कि गगनपल्ली गांव के रहने वाले मौसम महेश और डुब्बामरका की रहने वाली हेमला मुन्नी तथा कन्हाईपाड़ निवासी मड़कम पाण्डु और सल्लातोंग की रव्वा भीमे ये चारों पहले नक्सली संगठन से जुड़े हुए थे। छत्तीसगढ़ सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर इन चारों ने जून 2024 में नक्सल हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण कर दिया था। मौसम महेश लगभग बारह साल तक नक्सल संगठन से जुड़े रहे। मड़कम पाण्डू और हेमला मुन्नी 9 साल तक तथा रव्वा भीमे 6 साल तक नक्सल संगठन और उसकी गतिविधियों से जुड़ी रहीं। परिणय सूत्र में आबद्ध होने के बाद मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आशीर्वाद प्राप्त करके हुए महेश-हेमला और मड़कम-रव्वा ने बताया कि उन्हें रास्ता भटकने और हिंसा में संलिप्त रहने का बेहद अफसोस है। छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल पुनर्वास नीति और नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर वे चारों विकास और शांति की मुख्य धारा में शामिल होने का फैसला लिया। उनका कहना था कि सरकार की जनहितैषी नीतियों से प्रभावित होकर विभिन्न नक्सल संगठनों से जुड़े कई युवा साथी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और कई साथी आत्मसमर्पण करने का मन बना चुके हैं। उनका कहना था कि छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने और समाज में सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को रोजगार, मकान और पुनर्वास के लिए आर्थिक सहायता मिल रही है। यह कहानी न केवल प्रेम की जीत की है, बल्कि छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल पुनर्वास नीति की सफलता का प्रतीक है। परिणय सूत्र में आबद्ध होकर इन चारों युवक-युवतियों ने यह साबित कर दिया है कि प्यार, विश्वास और सहानुभूति से नफरत और हिंसा को हराया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने मकर संक्रांति और पोंगल पर्व की दी शुभकामनाएं

रायपुर: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति और पोंगल पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी लोगों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में मकर संक्रांति, पोंगल और लोहड़ी पर्व जैसे कई अलग अलग नाम से मनाया जाता हैं। दक्षिण भारत में मनाया जाने वाला पोंगल समृद्धि का प्रतीक है। यह त्योहार प्रकृति और फसल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक माध्यम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि मकर संक्रांति का त्यौहार ऋतु परिवर्तन का संदेश लेकर आता है। मुख्यमंत्री ने शुभकामना देते हुए कहा कि यह ऋतु परिवर्तन का पर्व सभी लोगों के जीवन में सुख और समृद्धि लेकर आए।

राज्यपाल ने मकर संक्रांति, पोंगल, माघ बीहू एवं उगादी पर्व की दी शुभकामनाएं

रायपुर: राज्यपाल श्री रमेन डेका ने मकर संक्रांति, पोंगल, माघ (भोगाली) बीहू एवं उगादी पर्व पर देश व प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा है कि देश के विभिन्न प्रान्तों में अलग-अलग नामों से मनाये जाने वाले संक्रांति, पोंगल, माघ बीहू, उगादी जैसे पर्व भारत की सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करते हैं और हमें विविधता में एकता के सूत्र में बांधे रखते हैं। राज्यपाल ने इस अवसर पर सभी की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की है।

आवास मित्र के लिए चयनित अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन स्थगित

संवाददाता | बलरामपुर

बलरामपुर: प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत क्लस्टर स्तर पर आवास मित्र/समर्पित मानव संसाधन के चयनित अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन तिथि निर्धारित किया गया था। अंतिम वरियता सूची, चयन एवं प्रतिक्षा सूची तथा चयनित अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन अपरिहार्य कारणों से निरस्त कर दिया गया था। जिसे दावा-आपत्ति निराकरण पश्चात संशोधित अंतिम वरीयता सूची का प्रकाशन किया गया है। सूची का अवलोकन कार्यालय के सूचना पटल एवं जिले के बेवासाईट पर देखा जा सकता है। संशोधित चयन एवं प्रतिक्षा सूची तथा चयनित अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन हेतु तिथि पृथक से जारी की जाएगी।

ब्रेकिंग न्यूज महिलाओं के खाते में 1,000 रुपये मासिक जमा किए जा रहे

विकास की नई इबारत, बस्तर में विकास कार्यों की बहार - मुख्यमंत्री श्री साय

दंतेवाड़ा: मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने दंतेवाड़ा जिले के बचेली में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि माओवाद के खात्मे के साथ ही बस्तर विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने 160 करोड़ रुपये की लागत से 501 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें पुल, सड़क निर्माण, जलशोधन संयंत्र और बस स्टैंड जैसे प्रोजेक्ट शामिल हैं। साथ ही 321 पक्के मकानों की चाबियां लाभार्थियों को सौंपी गईं। दंतेवाड़ा जिले में जल्द ही जू पार्क का निर्माण किया जाएगा, जिससे वन्यजीव संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। जैविक खेती को प्राथमिकता देने के लिए सभी लैंप्स में जैविक खाद उपलब्ध कराई जाएगी। किसानों को कृषि उपकरण और मोबाइल फोन वितरित किए जा रहे हैं। महिलाओं के खाते में 1,000 रुपये मासिक जमा किए जा रहे हैं, जिससे उनके जीवन में सुधार हो रहा है। बस्तर ओलंपिक का सफल आयोजन हुआ, जिसे प्रधानमंत्री ने भी सराहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवास प्लस योजना के तहत नए लाभार्थियों को आवास का लाभ दिया जाएगा। कार्यक्रम में वन मंत्री श्री केदार कश्यप, सांसद श्री महेश कश्यप, विधायक श्री चैतराम अटामी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्रीविष्णुदेवसाय

जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां अब सुनाई देता है विकास का शंखनाद - मुख्यमंत्री श्री साय

दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़: दंतेवाड़ा जिले के बचेली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 160 करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर की तस्वीर तेजी से बदल रही है। जहां कभी माओवादियों का आतंक था, वहां अब विकास का माहौल है। मुख्यमंत्री ने 501 विकास कार्यों का शुभारंभ किया, जिनमें पुल, सड़क चौड़ीकरण, जलशोधन संयंत्र और अंतरराज्यीय बस स्टैंड जैसे बड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं। साथ ही 7.25 करोड़ रुपये की लागत से बने 321 मकानों की चाबियां लाभार्थियों को सौंपी गईं। दंतेवाड़ा में जल्द ही जू पार्क का निर्माण किया जाएगा, जो वन्यजीव संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देगा। जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सभी लैंप्स और राशन दुकानों में जैविक खाद उपलब्ध कराई जाएगी। किसानों को पावर स्प्रेयर, ट्रिलर और मोबाइल फोन वितरित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण अंचल के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। महिलाओं के खाते में हर महीने 1,000 रुपये जमा किए जा रहे हैं, जिससे उनके जीवन में आर्थिक सशक्तिकरण आया है। बस्तर ओलंपिक का सफल आयोजन हुआ, जिसमें 1.65 लाख प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी सराहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवास प्लस योजना के तहत नए लाभार्थियों को जोड़ा जा रहा है, ताकि हर जरूरतमंद को पक्का मकान मिल सके। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से दंतेवाड़ा विकास के पथ पर अग्रसर है। इस अवसर पर सांसद बस्तर श्री महेश कश्यप, विधायक श्री चैतराम अटामी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

समाज के हर वर्ग को समान अवसर प्रदान कर रही है छत्तीसगढ़ सरकार - उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

कवर्धा: उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले में दिव्यांगजनों के जीवन को नया मोड़ देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने 40 दिव्यांगजनों को स्कूटी वितरित की, जिसे सीएसआर मद से किया गया है। इस वितरण का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और उनके जीवन को सरल और सुलभ बनाना है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार दिव्यांगजनों के उत्थान और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयासरत है। यह स्कूटी न केवल दिव्यांगजनों की भौतिक कठिनाइयों को कम करेगी, बल्कि उनके आत्मविश्वास और मानसिक स्थिति को भी सशक्त बनाएगी। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की योजनाओं से दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बनेंगे और उन्हें समाज में समान अधिकार मिलेगा।इससे पहले श्री शर्मा ने 33 दिव्यांगजनों को इसी तरह की सहायता दी थी, और अब तक 73 दिव्यांगजन स्कूटी प्राप्त कर चुके हैं। इस पहल ने 40 दिव्यांगजनों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाया है, जो अब अपने सपनों को साकार करने में सक्षम होंगे। इस कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि और पत्रकार भी उपस्थित थे।

ब्रेकिंग न्यूज

कृषक प्रमोद सिंह की मेहनत और सपनों का सकार कर रही कृषक उन्नति योजना

अम्बिकापुर: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में राज्य के किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर धान की कीमत मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। ग्राम पंचायत भफौली के किसान प्रमोद सिंह ने कृषक उन्नति योजना के तहत धान की बिक्री से न केवल अपनी आजीविका सुधारने में मदद पाई, बल्कि उन्होंने अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने का सपना भी देखा। प्रमोद सिंह हर साल करीब 140 क्विंटल धान बेचते हैं और पिछले साल उन्हें 1 लाख 28 हजार रुपये की अंतर राशि प्राप्त हुई, जिससे बच्चों को कोचिंग में मदद मिली। प्रमोद सिंह का सपना है कि उनके दोनों बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज में प्रतिष्ठित नागरिक बनें और प्रदेश की सेवा करें। एक बच्चा भिलाई में नीट की तैयारी कर रहा है, जबकि दूसरा रायपुर में बीएड की तैयारी में है। प्रमोद सिंह का मानना है कि अगर बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलती है तो वे अपने पैरों पर खड़े होकर समाज के विकास में योगदान दे सकते हैं।कृषक उन्नति योजना के तहत बढ़ी हुई धान की कीमत ने उनके सपनों को पूरा करने में मदद की है। प्रमोद सिंह ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से उन्हें अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने का अवसर मिला है। प्रमोद सिंह की यह कहानी उनके कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प की मिसाल है, जो यह दर्शाती है कि कृषि से केवल जीवन यापन ही नहीं, बल्कि एक उज्जवल भविष्य भी संभव है।

माओवादी कैंसर को समाप्त करना है तो इसकी जड़ पर प्रहार करना जरूरी - मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

Koytur times

कोंडागांव: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुकमा जिले में 205 करोड़ रुपये की लागत से 137 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने माओवाद को एक "कैंसर" बताते हुए इसे जड़ से खत्म करने का संकल्प दोहराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि माओवादियों की गतिविधियों से सुकमा और बस्तर का विकास बुरी तरह प्रभावित हुआ था, लेकिन उनकी सरकार ने सुरक्षा और विकास को प्राथमिकता देकर हालात बदल दिए हैं। मुख्यमंत्री ने 83 करोड़ की जल प्रदाय योजना, 14 करोड़ की सड़क निर्माण परियोजना और 11 करोड़ की लागत से स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि पहली बार कई गांवों में बिजली और टेलीविजन पहुंचे हैं, जिससे लोगों का जीवन स्तर सुधर रहा है। महतारी वंदन योजना के तहत सुकमा की 52,220 महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण दर बढ़ाकर 5,500 रुपये कर दी गई है, जिससे 63,000 से अधिक लोगों को लाभ हुआ है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा कैंपों के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में विकास को तेज़ी से लागू करने की रणनीति पर जोर दिया। उन्होंने माओवादियों से प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बस्तर ओलंपिक में 1.65 लाख लोगों की भागीदारी ने इस क्षेत्र में शांति और समृद्धि का नया संदेश दिया है। इसमें सुकमा जिले से भी बड़ी संख्या में खिलाड़ी शामिल हुए। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी मन की बात कार्यक्रम में इसकी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भ्रष्टाचार के सभी मामलों में हमारी सरकार कठोरता से कार्रवाई करेगी। किसी भी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा। इस अवसर पर "मावा सुकमा - बदलता सुकमा" कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की

मुख्यमंत्री श्री साय ने सुकमा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना और नक्सल पुनर्वास योजना के तहत आत्मसमर्पित दो पूर्व नक्सलियों के अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत पर दोनों जोड़ों को सुखद वैवाहिक जीवन हेतु आशीर्वाद दिया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय की मौजूदगी में दो एमओयू भी किए गए जिसमें पहला एमओयू जिला प्रशासन ने लाइवलीहुड कालेज में कौशल विकास हेतु आईटीसी प्रथम संस्था के साथ किया, जबकि दूसरा एमओयू जिला पंचायत द्वारा वेस्ट मैनजमेंट के लिए बस्तर जिले के एमआरएफ वेस्ट मैनेजमेंट के साथ किया गया। सुकमा की महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की मार्केटिंग हेतु आकांक्षा ब्रांड के नाम से नामकरण किया गया।

मुख्यमंत्री ने दिव्यांग रघुनाथ नाग और सोडी बीड़े को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया

सुकमा प्रवास के दौरान समग्र शिक्षा आकार (दिव्यांग) के राहुल पदामी ने मुख्यमंत्री को पेंटिंग भेंट की। मुख्यमंत्री ने दिव्यांग रघुनाथ नाग और सोडी बीड़े को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। नीट कोचिंग से एमएमबीएस के पढ़ाई के लिए चयनित सिल्की नेताम और गुलशन मुड़ियामी तथा बस्तर ओलंपिक में संभागीय प्रतियोगिता में भाला फेंक में पहला स्थान पाने वाली सुकमा की खिलाड़ी पायल कवासी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में नक्सल पुनर्वास नीति के अंतर्गत नक्सल पीड़ित परिवार के आश्रित पंडा सुनीता, श्रीमती पोडियाम सन्नी को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम को वन मंत्री श्री केदार ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने का प्रयास कर रही है। सुकमा जिला के गठन के बाद से लगातार विकास के कार्य हो रहे हैं। कार्यक्रम को बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर राज्य महिला आयोग सदस्य सुश्री दीपिका सोरी, गणमान्य जनप्रतिनिधि श्री धनीराम बारसे, आयुक्त बस्तर श्री डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक बस्तर श्री सुंदरराज पी सहित जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

नए मेला स्थल में होगा राजिम कुंभ कल्प का भव्य आयोजन

राजिम: छत्तीसगढ़ के राजिम में आगामी 12 से 26 फरवरी 2025 तक त्रिवेणी संगम में राजिम कुंभ कल्प का आयोजन भव्य रूप से किया जाएगा। यह आयोजन नए मेला स्थल पर होगा, जो लगभग 52 एकड़ क्षेत्र में फैला है। यहां श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दुकानों, विभागीय स्टॉल, मीना बाजार, पार्किंग और हेलीपैड जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पुराने स्थल पर केवल संत समागम और गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा, जबकि बाकी सभी कार्यक्रम नए स्थल पर होंगे। आयोजन स्थल को जोड़ने के लिए नदी किनारे कनेक्टिंग रोड का निर्माण किया जाएगा, जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा हो। पीडब्ल्यूडी को घाटों की मरम्मत और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नए मेला स्थल पर मीना बाजार और पार्किंग के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी, और दुकानों का आबंटन एक समिति द्वारा किया जाएगा। विभिन्न विभागों को आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पेयजल और शौचालय व्यवस्था करेगा। स्वास्थ्य विभाग अस्थाई अस्पताल, एंबुलेंस और मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। विद्युत विभाग लाइटिंग, टावर लाइट और सजावट का काम संभालेगा। वन विभाग बांस-बल्ली, जलाऊ लकड़ी और साधुओं के लिए कुटिया निर्माण के लिए घास उपलब्ध कराएगा। खाद्य विभाग दाल-भात केंद्र खोलेगा। पुलिस विभाग सुरक्षा, सीसीटीवी, कंट्रोल रूम और फायर ब्रिगेड की व्यवस्था करेगा। नगरीय प्रशासन विभाग साफ सफाई, कचरा प्रबंधन और धार्मिक स्थलों की साज-सज्जा सुनिश्चित करेगा। आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी तैयारियों को तेजी से अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कृषि मंत्री द्वय श्री नेताम और वित्त मंत्री श्री चौधरी ने मंडी के उन्नयन कार्य का किया भूमिपूजन

रायगढ़, छत्तीसगढ़: रायगढ़ के पटेलपाली में किसानों के लिए हाईटेक आदर्श मंडी बनाई जाएगी। कृषि मंत्री राम विचार नेताम और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने 4.87 करोड़ रुपए की लागत से मंडी के उन्नयन कार्य का भूमिपूजन किया। यह मंडी 17.12 एकड़ क्षेत्र में बनेगी, जिसमें थोक सब्जी और फल व्यापार के लिए उन्नत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मंडी में छायादार चबूतरे, सीसी रोड, वाहनों की पार्किंग, स्ट्रीट लाइट और हाई मास्क लाइट की मरम्मत की जाएगी। मेन गेट, चेक पोस्ट, काऊ कैचर, बूम बैरियर, सीसीटीवी कैमरे, कंप्यूटर सेट और 100 टन के धरमकांटे जैसे आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि यह मंडी किसानों के व्यापार को बढ़ावा देने और उन्हें सुविधाजनक वातावरण देने के उद्देश्य से विकसित की जा रही है। वित्त मंत्री ने निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा करने का आश्वासन दिया।

ब्रेकिंग न्यूज महतारी वंदन योजना से हमारी माताओं और बहनों के चेहरे पर आई मुस्कान

मुख्यमंत्री ने कोंडागांव जिले को दी 2 अरब 88 करोड़ 18 लाख रूपए के 168 विकास कार्यों की सौगात

रायपुर: हमारी सरकार ने एक साल पूरे कर लिये हैं और इस एक साल के दौरान हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दी गई गारंटी के अनुरूप हमने हर वर्ग से जुड़े वायदों को पूरा किया है।हम हर महीने महतारी वंदन योजना की राशि माताओं और बहनों के खाते में भेज देते हैं। पहली तारीख को ही जब हमारी माताओं और बहनों के मोबाइल में मैसेज आता है तो उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाती है।माताओं-बहनों के चेहरे पर आई यह मुस्कान ही हमारे कार्य की सार्थकता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कोंडागांव जिला मुख्यालय में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश भर में हम लगभग 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ दे रहे हैं। एक साल में हमारी सरकार ने कोंडागांव जिले के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये और इस पर तेजी से क्रियान्वयन किया है। इसी कड़ी में आज हमने यहां 288 करोड़ रुपए के 168 कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया है। इन कार्यों में 208 करोड़ रुपए की राशि के 130 कार्यों का लोकार्पण एवं 80 करोड़ रुपए के 38 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। साथ ही इस मौके पर हम 58 लाख रुपए की राशि के हितग्राहीमूलक कार्यों के चेक और सामग्री भी वितरण कर रहे हैं। इसमें कोंडागांव जिले की 1 लाख 28 हजार माताओं-बहनों को योजना का लाभ मिल रहा है। माताएं-बहनें इस योजना का उपयोग बहुत कुशलता से कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं के बीच लोकप्रिय महतारी वंदन योजना के आने से 5 लाख महिलाओं ने डाकघर में मासिक बचत खाते आरंभ कर दिये हैं। यह केवल डाकघर के आंकड़े हैं। कुछ माताएं-बहनें अपनी राशि बैंक में जमा कर रही हैं। कुछ अपने बच्चों की शिक्षा में निवेश कर रही हैं। साथ ही अपने सपनों को भी पूरा कर रही हैं। यह महिलाओं की आर्थिक आजादी की योजना है। महिलाओं को आर्थिक ताकत देने से समाज का तेजी से विकास होता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार की कृषि हितैषी नीतियों की वजह से किसान फिर से खेती में लौट आये हैं। इस बार 27 लाख से अधिक किसान भाइयों ने धान बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। पिछले साल यह आंकड़ा 24 लाख 75 हजार का था। कोंडागांव जिले में अब तक 40 हजार से अधिक किसान भाई अपना धान बेच चुके हैं और अब तक हम 552 करोड़ रुपए का भुगतान कर चुके हैं। हमने कैबिनेट की पहली ही बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किये। लाखों लोगों का मकान का सपना पूरा हुआ।

साय ने कहा कि धान के कटोरे छत्तीसगढ़ राज्य में इंडिया इंटरनेशनल राईस समिट का आयोजन

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोंडागांव जिले का विकास हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कर रहे हैं। दो महीने पहले जब मैं बस्तर विकास प्राधिकरण की बैठक में जगदलपुर आय़ा था तो क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने केशकाल घाटी में सड़क के जीर्णोद्धार की माँग रखी। दो महीने के भीतर ही इसका जीर्णोद्धार कराया गया। पहले केशकाल धूलों की घाटी बन गई थी, अब यह पुनः फूलों की घाटी बन गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोंडागांव जिला अपनी शिल्प कला के लिए पूरी दुनिया में विख्यात है। यहां 1300 से अधिक शिल्पकार अपनी अद्वितीय कलाकृतियों का निर्माण करते हैं। इन कलाकृतियों को वैश्विक बाजार से जोड़ने आधुनिक तकनीक आवश्यक हैं। इसके लिए जिला प्रशासन ने इन्हें 3-डी प्रिंटिंग तकनीक से जोड़ने आईआईटी भिलाई के साथ एमओयू किया है। जिला प्रशासन द्वारा यूपीएससी, पीएससी एवं व्यापम जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग सुविधा प्रदान की जा रही है। यह बहुत अच्छी पहल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे कोंडागांव की बिटिया कुमारी हेमबती नाग को जूडो खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया, जो हम सभी के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्य कार्यक्रम स्थल में जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के तहत सामग्री, उपकरण एवं चेक वितरित किया।

साय के नेतृत्व में किसानों के हित में काम कर रही

कार्यक्रम के राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत लखपति दीदीयों को पुरस्कृत किया गया और हितग्राहियों को बैंक लिंकेज चेक प्रदान किया। हस्तशिल्प विभाग के स्टॉल में राष्ट्रीय बांस मिशन योजना अंतर्गत शिल्पकारों को बांस शिल्प औजार वितरण किया गया। ग्राम पंचायत बड़े राजपुर को सामुदायिक वनाधिकार पत्रक प्रदाय किया गया। इस अवसर पर उद्योग प्रभारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, कांकेर सांसद श्री भोजराज नाग, विधायक जगदलपुर श्री किरण देव, केशकाल विधायक श्री नीलकंठ टेकाम सहित जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

तातापानी महोत्सव पर भारी मालवाहक वाहनों के लिए डायवर्सन मार्ग निर्धारित

14 जनवरी से 16 जनवरी 2025 से तातापानी महोत्सव का आयोजन

Koytur times

बलरामपुर: मकर संक्रांति के अवसर पर जिले में 14 जनवरी से 16 जनवरी 2025 से तातापानी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 343 में तातापानी स्थित है और हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर तातापानी महोत्सव का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रीय राजमार्ग होने के कारण लगातार मालवाहक वाहनों का आवागमन होता रहता है। सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा भारी मालवाहक वाहनों के सुरक्षित परिवहन/आवागमन के लिए मार्ग व्यवस्था एवं डायवर्सन रूट निर्धारित किया गया है। जारी आदेश में रामानुजगंज-तातापानी-बलरामपुर-सेमरसोत तक(राष्ट्रीय राजमार्ग-343) को 13 जनवरी 2025 प्रातः 10 बजे से 16 जनवरी 2025 रात्रि 12 बजे तक भारी मालवाहक वाहनों हेतु पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। जिसमें अम्बिकापुर से रामानुजगंज के लिए डायवर्सन मार्ग अम्बिकापुर-लटोरी-जरही-वाड्रफनगर-प्रेमनगर मोड़ से रामानुजगंज निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार कुसमी से रामानुजगंज के लिए डायवर्सन मार्ग कुसमी-राजपुर-सेमरसोत-डवरा-परसवार-प्रतापुर-वाड्रफनगर-प्रेमनगर मोड़ से रामानुजगंज तथा रामानुजगंज से अम्बिकापुर के लिए डायवर्सन मार्ग रामानुजगंज-विजयनगर-त्रिकुण्डा-प्रेमनगर मोड़-वाड्रफनगर से अम्बिकापुर निर्धारित किया गया है।

रायपुर: कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में क्षेत्रीय सरस मेला का समापन हुआ। वहीं छत्तीसगढ़ में दान लेन-देन का प्रसिद्ध छेरछेरा पर्व के अवसर पर सरस छेरछेरा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी, रायगढ़ लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया एवं राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। मंत्रीद्वय ने प्रदेषवासियों को छेरछेरा पर्व बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मंत्रीद्वय द्वारा इस मौके पर 38.17 करोड़ रूपए लागत की 21 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। सरस मेले में महिला समूहों द्वारा 01 करोड़ रुपए की विभिन्न उत्पादों की बिक्री की गई। महिला समूहों द्वारा मेले के समापन तक 99 लाख 97 हजार 200 रुपये की बिक्री हुई थी। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने 2800 रुपये की खरीदी की जिससे आंकड़ा 01 करोड़ रुपए पहुंच गया। मंत्री नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की कला एवं संस्कृति बहुआयामी है। यहां हमें कई प्रकार के लोक नृत्य, जातियां, लोक कला, मेले, भाषा, शिल्प और विशेष व्यंजन देखने को मिलते हैं। प्रदेश में यहां के आभूषणों, वस्त्रों का विशेष स्थान है जो यहां की संस्कृति को और अधिक प्रभावशाली एवं समृद्ध बनाती हैं।

सरस मेले से बढ़ेगा महिला समूहों का आत्मविश्वास: कृषि मंत्री श्री नेताम

Koytur times

प्रदेश की महिला स्व सहायता से जुड़ी महिलाएं राज्य की संस्कृति कोसहेजनेकेसाथहीआर्थिकरूप सेसशक्तबनरहीहै।मुख्यमंत्रीश्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकारभीछत्तीसगढ़कोविरासत में मिली इस संस्कृति को संजोए रखने के लिए कई योजनाएं संचालितकररहीहै।इससेमहिला समूहों के आत्मविश्वास को बल मिल रंहा है। इसी का उदाहरण सरसमेलामेंदेखनेकोमिलरहाहै। कृषिमंत्रीश्रीनेतामनेकहाकिकहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव सायछत्तीसगढ़कोएकमॉडलस्टेट बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासनमेंबेहतरनीतियोंसेहमारी सरकारकेद्वाराजन-जनतकलाभ पहुंचाया जा रहा है और गरीब परिवारों को योजनाओं का लाभ देना हमारी सरकार की प्राथमिकता है । वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरीनेकहाकिरायगढ़में पहलीबारआयोजितसरसमेलेने प्रदेशकेहस्तशिल्पएवंसंस्कृतिसे जन-जनकोजोड़नेकाकामकिया है। उन्होंने कहा कि मेले में महिला समूहों ने बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी निभायी है। दस दिनों में 1 करोड़ रुपएकीबिक्रीमहिलासमूहोंद्वारा की गई है। यह बड़ी उपलब्धि है इसके लिए सभी समूहों को बहुत बधाई।वित्तमंत्रीश्रीचौधरीनेआगे कहाकिपिछलेएकसालमेंक्षेत्रके विकासकेलिएबहुतसेकार्यप्रारंभ किएगएहै।गरीबोंकेलिएआवास निर्माणकाकार्यपूरीतेजीकेसाथ होरहाहै।सड़कोंकेनिर्माणकार्यों को प्राथमिकता से कराया जा रहा है। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए कृषक उन्नति योजना के माध्यम से दो साल का बोनस दिया गया। इसी तरह किसानों से 31 सौ रुपए प्रति क्ंिवटलकेमानसेप्रतिएकड़21 क्विंटल धान खरीदा जा रहा है। रामलला दर्शन योजना के माध्यम सेबुजुर्गोंकोअयोध्याधामकेदर्शन कराएजारहेहै।यहांनालंदापरिसर कानिर्माणहोनेजारहाहै,जोआने वालीपीढ़ीकेउज्जवलभविष्यकी मजबूत बुनियाद बनेगा। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जिले में प्रयास विद्यालय का संचालन हो रहा है। महतारी सदन एवं रायगढ़ में दीदी सदन का निर्माण कार्य हो रहा है। हार्टीकल्चरविद्यालयकीस्थापना होनेजारहाहै।केलोडेममेंनहरोंका निर्माणकार्यपूराकरायाजारहाहै। जिससेकिसानोंकेखेतोंतकपानी पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया टीम के लिए यहां अत्याधुनिक डिजीटल क्रियेटर सेंटर का निर्माण भी होगा। इस अवसरपरअतिथियोंद्वारामहिला समूहों के स्टॉलों का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम को लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया ने भी सम्बोधित किया। सरस मेला में रायगढ़ समेत छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों से बिहान की महिला स्व-सहायता समूह की दीदियां एवं अन्य राज्यों जैसे-झारखण्ड, बिहार, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, असम, महाराष्ट्र की स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया है। सरस मेला में 224 से अधिक स्टॉल लगाये है, जिनमें 268 से अधिकमहिलास्व-सहायतासमूह की दीदियों ने भाग लिया है। इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थितथे।

शासकीय महाविद्यालय में मनाया गया हिन्दी दिवस

हिन्दी भाषा, साहित्य एवं हिन्दी दिवस के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से कराए

बलरामपुर: शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में प्राचार्य श्री एन.के. देवांगन के मार्गदर्शन में हिन्दी विभाग के द्वारा विश्व हिन्दी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपने भाषण, निबंध व पोस्टर के माध्यम से हिन्दी भाषा एवं साहित्य के बारे में बताया। सहायक प्राध्यापक इतिहास श्री योगेश राठौर ने अपने वक्तव्य में हिन्दी भाषा, साहित्य एवं हिन्दी दिवस के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराते हुए विश्व हिन्दी दिवस मनाये जाने के उद्देश्य, उपयोगिता एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को रेखांकित किया। कार्यक्रम में शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर के समस्त प्राध्यपक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव 2024-25 पद्म श्री अनुज शर्मा की प्रस्तुति ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर किया

रायपुर: छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव 2024-25 के दूसरे दिन रायपुर साइंस कॉलेज मैदान में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। रंगारंग कार्यक्रमों से सजे इस आयोजन में छत्तीसगढ़ी लोक परंपराओं, समृद्ध संस्कृति, और आधुनिक संगीत का अनोखा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत आरुग बैंड की शानदार प्रस्तुति से हुई। पद्म श्री अनुज शर्मा और उनकी टीम ने छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोकगीतों और आधुनिक धुनों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अनुज शर्मा ने अपने राम भजन "हरि अनन्त, हरि कथा अनन्ता" से समां बांधा। इसके बाद माता-पिता को समर्पित "झन भूलव मां बाप ला" और लोकगीत "छैयाँ भुइयाँ ला छोडके जवईया" जैसे गीतों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। माते रइबे जैसे ददरिया गीतों की सुरीली प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने भी युवा महोत्सव में माइक थामा और अपनी प्रस्तुति से महोत्सव की शोभा बढ़ाई। उन्होंने प्रसिद्ध कवि लक्ष्मण मस्तूरिया के गीतों को अपने अंदाज में प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया। उनके गायन ने छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की सादगी और गहराई को प्रदर्शित किया।

दायरा बैंड ने बस्तर की खूबसूरती को जीवंत किया

इसके साथ ही, दायरा बैंड ने अपने गीत "ऐसा जादू है मेरे बस्तर में" और "बैलाडीला बैलाडीला" की प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुंबई के कलाकारों और बस्तर के स्थानीय गायकों का यह प्रदर्शन बस्तर की समृद्ध संस्कृति और अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य को अपने गीतों के माध्यम से जीवंत किया। बैंड ने बस्तर की समृद्ध लोक संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य को मुंबई के कलाकारों के साथ बस्तर के स्थानीय कलाकारों का अनूठा संगम देखकर दर्शक भावविभोर हो गए। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, पारंपरिक कला, और आधुनिक संगीत के अद्भुत मेल ने युवा महोत्सव को एक यादगार आयोजन बना दिया।इस अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंक राम वर्मा, विधायक श्री अनुज शर्मा, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त युवा बड़ी संख्या में उपस्थित थे ।

सुरक्षित और समृद्ध जीवन जीने की उम्मीद बनी प्रधानमंत्री आवास योजना

बलरामपुर: प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी से कई परिवारों की जिंदगी बदल रही है। केन्द्र व राज्य सरकार के मंशानुरूप महत्वाकांक्षी योजनाओं का समुचित लाभ समाज के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि समाज के हर वर्ग का समुचित विकास हो सके। प्रधानमंत्री आवास योजना से अब हर व्यक्ति का पक्के आवास का सपना साकार हो रहा है जिनकी आधी जिन्दगी कच्चे के घर में गुजर गई है और जब उनका खुदका सपना सच होता है तो वो खुशी उनके लिए क्या मायने रखती है शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से रामानुजगंज के वार्ड नंम्बर 12 की निवासी श्रीमती उर्मिला कश्यप पति स्व. चंद्रिका कश्यप को योजना का लाभ मिला है। श्रीमती उर्मिला बताती है कि पहले कच्चे के घर में अपने बेटे और बहू के साथ जीवनयापन कर रही थी। उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अपने इस जीवन में वे पक्के के मकान में अपने परिवार के साथ रह पायेंगे। वे बताती हैं कि उनके पति की मृत्यु हो चुकी है, जिसके कारण वे कभी नहीं सोच सकती थी कि उनका खुद का अपना पक्का घर होगा, उनके लिए पक्के का मकान एक सपने जैसा था। उन्होंने बताया कि कच्चे मकान में रहना मुश्किल होता था, बरसात के दिनों में घर के अंदर पानी आ जाता था तथा ठंड के दिनों में ठंड से बचना मुश्किल हो जाता था। बदलते मौसम के साथ परेशानियां भी बदलती रहीं। परन्तु शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) ने उनके पक्के घर के सपने को साकार किया। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पक्का आवास बनाने के

छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव 2024-25

सुपर 30 के आनंद कुमार ने दिया छत्तीसगढ़ के युवाओं को सफलता का मंत्र

सुपर 30 के संस्थापक श्री आनंद कुमार

● **रायपुर** रायपुर: छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव 2024-25 के दूसरे दिन रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में सुपर 30 के संस्थापक श्री आनंद कुमार ने युवाओं से चर्चा के दौरान छत्तीसगढ़ में युवाओं की शिक्षा और स्वर्णिम भविष्य के निर्माण के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रेरित करने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और पूर्व आईएएस अधिकारी एवं वर्तमान में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी का उदाहरण दिया।आनंद कुमार ने कोंडागांव से एक छात्र के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। युवा महोत्सव में आनंद कुमार ने युवाओं से किए गए संवाद में स्वामी विवेकानंद के विचारों का जिक्र करते हुए कहा कि स्वामी जी कहते थे कि युवाओं में इतनी शक्ति है कि वे असंभव को संभव बना सकते हैं। दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच के साथ कोई भी व्यक्ति अपने लक्ष्य को हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रबल प्रयास, असीम धैर्य और लगातार मेहनत सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने यह भी कहा, जीवन में सकारात्मक सोच बनाए रखें। यदि आप एक बार संकल्प कर लें, तो सफलता से आपको कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने सोशल मीडिया के महत्व और उससे बचने के तरीकों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया युवाओं के समय को बर्बाद कर सकता है, लेकिन यदि इसे सही दिशा में इस्तेमाल किया जाए तो यह ज्ञान का महत्वपूर्ण साधन भी बन सकता है।

मुंगेली जिले के पथरिया में आयोजित आदिवासी वीर सपूतों की गौरव गाथा कार्यक्रम

मुंगेली, छत्तीसगढ़ : विगत 13 जनवरी को मुंगेली जिले के पथरिया ब्लॉक मे सामुदायिक मंगल भवन - पथरिया में जिला स्तरीय आदिवासी वीर सपूतों का गौरव गाथा कार्यक्रम आयोजन किया गया । जिसमें आदिवासी समाज के वीर महान सपूत, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं वीर क्रांतिकारी योद्धा, को नमन् करते हुए... आदिवासियों की इतिहास गवाह हैं कि गोड समाज के आदिवासी पूरे भारत वर्ष मे सबसे पहले आजादी का शंखनाद किया, इस महान अवसर पर आदिवासी समाज द्वारा भगवान बिरसा मुंडा, महान वीर शहीद वीर नारायण सिंह, रानी दुर्गावती, राजा रघुनाथ शाह, राजा शंकर शाह, गुंडाधुर, तिलक मांझी, बाबूराव शेडमार्के टांटिया भील, कंगला मांझी, संग्राम शाह, जैसे इत्यादि महान क्रांतिकारियों ने अपने त्याग और बलिदान से देश की आजादी के लिए अपने आप को देश के लिए समर्पित कर दिया, ऐसे धन्य महापुरुष है, जो आदिवासी समाज में जन्म लिए हमारे आदिवासी समाज को ऐसे महान आदिवासी क्रांतिकारी वीर सपूतों को आज हम मुंगेली जिले के पथरिया की पावन धरती में हम आदिवासी समाज एकत्रित होकर वीरगाथाओं के माध्यम से वीर सपूत को नमन् करते हुए आदिवासी समाज को गौरव प्राप्त हुआ है इस कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि आदरणीय श्री धरमलाल कौशिक द्वारा आदिवासी समाज के लिए *पथरिया - ब्लॉक मे आदिवासी समाज के लिए 15.90 लाख की भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने की घोषणा किया, बिल्हा -ब्लॉक मे आदिवासी समाज के लिए 15.90 लाख की भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने की घोषणा किया, सरगांव मे भी आदिवासी समाज के लिए 15 लाख 90 हजार की भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने की घोषणा की कुल- 47.70 लाख* की सौगात छेरछोरा पर्व के इस पावन अवसर पर किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आदरणीय श्री धरमलाल कौशिक जी (पूर्व विधानसभा छ.ग.- अध्यक्ष) एवं वर्त्तमान (विधायक- बिल्हा) अध्यक्षता - श्री वीरेंद्र मरावी जी केंद्रीय गोंड महासभा जिला -अध्यक्ष, आदरणीय श्री नाथूराम ध्रुव - ए.बी.ओ.- पथरिया एवं जिला उपाध्यक्ष शास्. सेवक संघ मुंगेली, श्री शैलेंद्र ध्रुव जी- ब्लॉक अध्यक्ष शा. से. संघ पथरिया, श्री सुभाष परते जी (प्रदेश अध्यक्ष- युवा प्रभाग-- छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज (छ.ग.), श्री जिगेश्वर सिंह जी (जिग्गू सिंह)- जिला उपाध्यक्ष -छ.ग.सर्व आदिवासी समाज जिला मुंगेली छ ग, SDM - बी.आर. ठाकुर सर-पथरिया, श्री जीवन लाल मरावी जी -जिला संगठन -सचिव केंद्रीय गोंड महासभा, श्री रामूलाल श्याम जी जिला कोषाध्यक्ष गोंड समाज मुंगेली, श्री कृष्ण ध्रुव जी- शासकीय सेवक संघ मुंगेली, श्री भक्तूराम छेदईय्या -ब्लॉक अध्यक्ष गोंड महासभा पथरिया, श्रीमती राजकुमारी रूपेश मरकाम जी -जनपद सदस्य बीरकोनी, श्री गेंदराम नेताम जी- ब्लॉक अध्यक्ष छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज पथरिया, श्रीमती जागेश्वरी वर्मा जी- जिला पंचायत सदस्य मुंगेली, श्री रिंकू ठाकुर जी- जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि पथरिया, श्री ग्वालदास अनंत जी - अध्यक्ष नगर पंचायत पथरिया, श्री जसपाल सिंह छावड़ा जी -पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत पथरिया, श्री छत्रपाल ध्रुव जी -ब्लॉक अध्यक्ष शासकीय सेवक संघ मुंगेली, थाना प्रभारी- पथरिया, मीडिया साथी, श्री मोती नेताम जी, श्री संजीव नेताम जी, श्री आदित्य नेताम, श्री रिखीराम मरकाम जी, श्री रामजी मरकाम जी, श्री भारत लाल पोर्ते जी, श्री शत्रुघ्न मरावी जी, श्री लव ध्रुव जी, श्री प्रदीप ध्रुव, श्री राजेश ध्रुव, श्री मान सिंह ध्रुव, श्री रोहित ध्रुव, केशव ध्रुव, कौशल नेताम, एवं इत्यादि सामाजिक वरिष्ठ, कार्यकर्ता सामाजिक प्रमुख एवं मातृ शक्ति पितृशक्ति, युवा शक्ति, की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय गोंड महासभा पथरिया, जिला - मुंगेली छत्तीसगढ़ द्वारा किया गया।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं ने किया श्रमदान पंचायत ने स्वच्छता किट वितरित कर डोर टू डोर अपशिष्ट संग्रहण पृथक्करण कार्य की शुरुआत

एमसीबी: कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के दिशानिर्देशन एवं परियोजना निदेशक के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत पिपरिया में युवाओं एवं पंचायत प्रतिनिधियों स्वच्छाग्राहियों स्व सहायता समूह के द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी ना करने हेतु अपील गई। ग्राम पंचायत के माध्यम से नियमित रूप से डोर टू डोर अपशिष्ट संग्रहण एवं पृथक्करण हेतु स्वच्छाग्राहियों को स्वच्छता किट प्रदान की गई एवं व्यवसायिक संस्थानों स्कूल आंगनबाड़ीयों हेतु डस्टबिन वितरण कर सोर्स सेग्रीगेशन हेतु अपील की गई। घर से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे के उचित प्रबंधन, घरेलू गंदे पानी के प्रबंधन हेतु किचन गार्डन निर्माण एवं उपयोगिता हेतु जागरूक किया गया। उक्त आयोजन में जिला समन्वयक राजेश जैन, सरपंच श्री मति ललिता बाई, सचिव विक्रम, ब्लॉक समन्वयक प्रभा पयासी, मुकेश कुमार के साथ बड़ी संख्या में युवा स्व सहायता समूह की महिलाएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गोंडवाना के तीन स्तंभ रसातल की ओर जा रहा है, चौथे स्तंभ पुरातात्विक साक्ष्य के बदौलत गोंडवाना पुनः खड़ा होगा–आर एन ध्रुव

रायपुर: कुछ लोगों द्वारा हमारे बीच मौजूद पुरातात्विक साक्ष्य को मिटाने का षड्यंत्र किया जा रहा है। जो हम सबके लिए बहुत गंभीर चिंता का विषय है। पूरे देश में पुरातात्विक महत्व के स्थान पर मौजूद हाथी के ऊपर सिंह का निशान गोंडवाना राज चिन्ह ही है। गोंडवाना कोई जाति सूचक नहीं बल्कि राष्ट्र सूचक है। इस देश में हूण आए, मंगोल आए, मुगल आए,अंग्रेज आए और न जाने कितने आक्रांताओ ने गोंडवाना पर आक्रमण कर गोंडवाना के चार स्तंभ साहित्य, धर्म ,भाषा और इतिहास पर आक्रमण किए । लेकिन ऐतिहासिक साक्ष्य की जड़े इतनी गहरी है की इसे अब कोई नष्ट नहीं कर सकता। इस चौथे स्तंभ के बदौलत गोंडवाना के सुशासन को लोग याद करेंगे। गोंडवाना के चार स्तंभ साहित्य, धर्म,भाषा और इतिहास के बदौलत देश में गोंडवाना का वैभवशाली राज रहा है। लेकिन आज गोंडवाना के जिस स्तंभ पर राज खड़ा था, उसमें से तीन स्तंभ लगभग रसातल की ओर धीरे– धीरे जा रहा है। गोंडवाना के पहले स्तंभ साहित्य लगभग न के बराबर हैं। अन्य विषयों पर लिखने वाले बहुत मिलेंगे लेकिन गोंडवाना पर साहित्य लिखने वाले आज समाज में न के बराबर है। गोंडवाना के दूसरे स्तंभ धर्म पर इतने आक्रमण हुए हैं की आज पुनः खड़ा होने में भारी समय लगेगा। गोंडवाना के तीसरा स्तंभ गोंडी भाषा के बोलने वाले लगभग कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित हो गए हैं। पहले पूरे गांव के गांव जहां गोंडी भाषा बोली बोलते थे आज स्थिति ये हो गया है कि वहां एक भी व्यक्ति गोंडी भाषा के जानकार नहीं है। यत्र तत्र बिखरे गोंडवाना के चौथा स्तंभ इतिहास आर्कियोलॉजिकल एविडेंस पुरातात्विक साक्ष्य इस एक ही खंबे के सहारे गोंडवाना टिका हुआ है। यही एक ऐसा स्तंभ है जो बाकी के तीनों स्तंभों को पुनः खड़ा करने की ताकत रखता है। ऐतिहासिक साक्ष्य के रूप में पूरे देश में गोंडवाना के गढ़, किला, देव, देवालय चीख-चीख कर कह रहा है अतीत में गोंडवाना का वैभव कितना महान रहा होगा। जगह-जगह ऐतिहासिक स्थलों पर अंकित हाथी के ऊपर सिंह का निशान गोंडवाना राज को दर्शाने के लिए पर्याप्त है। आज से 108 साल पहले 1916 में आई चेटरटन बिशप नागपुर और बेंजामिन रॉबर्टसन चीफ कमिश्नर ऑफ़ केंद्रीय प्रोविजंस सर इसाक पीटमेन एंड सन लिमिटेड अमीन कॉर्नर न्यूयॉर्क एवं मेलबॉर्न से प्रकाशित द स्टोरी ऑफ गोंडवाना में स्पष्ट उल्लेख है कि यह गोंडवाना का राज्य चिन्ह है। सामाजिक चिंतक आर एन ध्रुव ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हड़प्पा लिपि, गोंडवाना राज चिन्ह, पवित्र स्थल कचारगढ़ आदि अनेकों ऐतिहासिक स्थलो के बारे में अन्य इतिहासकारों द्वारा जो लिखने का प्रयास हो रहा है उसमें शुद्धता रहेगी उसकी गारंटी नहीं है। गोंडवाना के चौथे स्तंभ पर वर्तमान में इतिहास लिखने वाले लोगों ने अपने– अपने ढंग से इतिहास लिखकर समाज को परोसने का प्रयास कर रहे हैं उसके कारण गोंडवाना के चौथे स्तंभ ऐतिहासिक धरोहरों को भी बचा पाना हम सबके लिए कठिन चुनौती होने वाली है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से नगर निगम चिरमिरी के हितग्राहियों को मिल रहा है लाभ हितग्राही प्रधानमंत्री सहित राज्य के मुख्यमंत्री का जता रहे हैं आभार

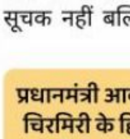

एमसीबी: नगर पालिक निगम चिरमिरी क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना से चिरमिरी क्षेत्र के आमजनमानस हितग्राहियों को राज्य सरकार पक्के मकान बनाकर दे रही है। इसी क्रम में पोड़ी निवासी भगमनिया यादव पति राम गोपाल यादव ने बताया कि उनके पति का निधन हो चुका है और पति के निधन के बाद से वह कच्चे के मकान में अपना जीवन यापन करती थी जिससे बारिश समेत अन्य मौसम में उन्हें कच्चे के मकान में रहने से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। भगमनिया यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी मिलने पर नगर निगम चिरमिरी कार्यालय परिसर में आवेदन प्रस्तुत कर किया प्रधानमंत्री आवास हेतु कारपेट 19 वर्ग मीटर के साथ स्वीकृत राशि 3.05 लाख जारी हुई और हितग्राही को पक्के का मकान उपलब्ध हो सका। गौरतलब है कि गरीब और कमजोर वर्ग के लिए जीवन में समृद्ध व लक्ष्य बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना है जिससे बेघर परिवारों के लिए पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है, निगम क्षेत्र अंतर्गत अन्य प्रधानमंत्री प्राप्त हितग्राहियों का निर्माण कार्य भी प्रगतिरत हैं जिसे जल्द पूर्ण कर लिया जाएगा ।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत सफाई कर्मियों स्वच्छता दीदियों के लिए विशेष शिविर का आयोजन कर उनके स्वास्थ्य का कराया गया परीक्षण

एमसीबी: छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण शाव, स्वास्थ्य मंत्री एवं क्षेत्र के विधायक श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक - 27 गोदरीपारा हनुमान मंदिर के पास विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विशेष रूप से स्वच्छता कर्मियों नगर में डोर टू का विशेष रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निरूशुल्क दवा वितरण किया गया। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री शहरी स्वास्थ्य योजना के तहत वर्तमान में नगर निगम चिरमिरी क्षेत्र में मोबाइल मेडिकल यूनिट की 02 वाहन संचालित हैं जिसमें शासन के द्वारा उपलब्ध मोबाइल मेडिकल यूनिट में 01 एम.बी.बी.एस.डॉक्टर, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, ए.एन.एम. एवं वाहन चालक रहते हैं जिसमें 41 प्रकार के टेस्ट नि:शुल्क कराए जाते हैं वहीं डॉक्टरों द्वारा जेनेरिक दवाइयां का भी नि:शुल्क वितरण किया जाता है, मोबाइल मेडिकल यूनिट में मरीजों का रिकॉर्ड ऑनलाइन एंट्री किया जाता है और चिकित्सक के द्वारा गंभीर मरीजों को शासकीय अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती भी कराया जाता है। 31 दिसंबर 2024 की स्थिति में देखा जाए तो उक्त मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा नगर निगम चिरमिरी क्षेत्र में 2298 शिविरों का आयोजन कर 155782 मरीज का इलाज किया जा चुका है तथा 38281 मरीज का लैब टेस्ट किया जाकर 137046 मरीज को दवा वितरण किया गया है छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा उक्त योजना के संचालन से गरीब तबके के लोगों में खुशी है, और उन्हें निरूशुल्क दवा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो रही है।

इस शिविर में न केवल सफाई कर्मियों वह स्वच्छता दीदियों की स्वास्थ्य की जांच की गई बल्कि फिटनेस के लिए उन्हें विशेष रूप से तक भी लगाए गए। वही आयुक्त राम प्रसाद आचला ने बताया कि मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना शिविर से नगर में आमनागरिकों का निरूशुल्क इलाज कर उन्हें निरूशुल्क दवा का वितरण किया जाता है साथ ही समय-समय पर स्वच्छता के क्षेत्र में कार्यरत सफाई कर्मियों स्वच्छता दीदियों का विशेष रूप से स्वास्थ्य का परीक्षण भी करा रहे हैं जिससे कर्मचारियों को अच्छे स्वास्थ्य वातावरण निर्मित किया जा सके।